DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण नई दिल्ली, 25 जनवरी, 2024 दिल्ली जागरण www.jagran.com

जल्द पूरी होंगी 4500 करोड़ की परियोजनाएं

डीडीए की कठपुतली कालोनी सहित 11 महत्वाकांक्षी परियोजनाएं अंतिम चरण में

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: फरवरी-अप्रैल के बीच दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की 4500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी। एलजी वीके सक्सेना ने बुधवार को इन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इन परियोजनाओं में शहर के परिदृश्य को सकारात्मक रूप से बदलने की क्षमता है। साथ ही इन परियोजनाओं से दिल्ली में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के पुनर्वास को भी गति मिलेगी।

लगभग तीन घंटे चली बैठक के दौरान उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने विभिन्न कलाकृतियों को स्थापित करने की स्थिति पर संतोष जताया।

राजनिवास में डीडीए अधिकारियों के साथ बैठक में एलजी वीके सक्सेना • सौ: राजनिवास

इनमें द्वारका- यशोभूमि में एक विशाल नंदी प्रतिमा, आदमकद हाथी और शेर की मूर्तियां और द्वारका और बांसेरा में फव्वारे शामिल हैं।

उपराज्यपाल ने उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार में वैष्णवी-नर्सरी-सह-उद्यान-सह-मनोरंजन परिसर के विकास में हो रही देरी पर नाराजगी भी व्यक्त की। इसके मद्देनजर उन्होंने ठेकेदार का अनुबंध रद करने, ठेकेदार की ईएमडी और बैंक गारंटी जब्त करने और फर्म को ब्लैकलिस्ट करने का आदेश दिया और अधिकारियों को नए सिरे से निविदा जारी करने को कहा।

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने डीडीए के सभी वरिष्ठ अधिकारियों के साथ, परियोजनाओं के लिए आवश्यक सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्यों, खरीद और अनिवार्य मंजूरी का विवरण जाना और अब तक हुए कार्यों के अनुसार परियोजना की समय-सीमा निर्धारित की।

इस साल फरवरी से अप्रैल तक पूरी होने वाली दिल्ली विकास प्राधिकरण की परियाजनाएं

- जेलरवाला बाग जहां झुग्गी वहीं मकान (इन सीटू पुनर्वास) परियोजना, जिसमें आसपास की झुग्गियों में रहने वाले 1675 परिवारों को घर दिया जाएगा। इसका काम पूरा हो गया है। इस साल मार्च के पहले सप्ताह तक लाभार्थियों को इन्हें सौंप दिया जाएगा। इस परियोजना की लागत 421.81 करोड़ रुपये है।
- कठपुतली कालोनी जहां झुग्गी, वहीं मकान परियोजना के तहत झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले 2800 परिवारों को घर मिलेगा। इस परियोजना के तहत मार्च तक लगभग 1400 फ्लैट कब्जे के लिए तैयार हो जाएंगे।
- महत्वाकांक्षी कड़कड़डूमा टीओडी परियोजना, जिसमें न केवल पूर्वी दिल्ली के परिदृश्य को बदलने बल्कि क्षेत्र में अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने की भी क्षमता है। इसमें बेसमेंट पार्किंग काम्प्लेक्स के साथ ग्राउंड 22 मंजिलों में 498 ईडब्ल्यूएस फ्लैट, फरवरी तक तैयार हो जाएंगे। इस पूरे प्रोजेक्ट की लागत 1168.54 करोड़ रुपये है।
- सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की प्रतिष्ठित प्रतिकृतियों के साथ लघु भारत की परिकल्पना पर आधारित द्वारका के भव्य भारत वंदना पार्क का पहला चरण मार्च तक पूरा हो जाएगा। 200 एकड़ में फैला यह पार्क, इस साल जून तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। इस परियोजना की लागत 512.47 करोड़ रुपये है। खेलों के बुनियादी ढांचों, जिसमें द्वारका सेक्टर-24 में गोल्फ कोर्स और द्वारका सेक्टर-8, 19, 23 और रोहिणी सेक्टर-33 में विशिष्ट जलीय और मैदानी खेलों से संबंधित कई उत्कृष्टता केंद्र शामिल हैं, मार्च और अप्रैल के बीच तैयार हो जाएंगे। इस स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर को बनाने पर 377.08 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।
- हाल ही में दिल्ली के सभी गांवों में लांच किए गए दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत कार्यों के तहत, कुतुबगढ़ गांव में पहला पायलट प्रोजेक्ट, इस वर्ष फरवरी में पूरा हो जाएगा। द्वारका में 304.15 करोड़ की लागत से बन रहे ड्रेन प्रोजेक्ट से क्षेत्र में जल निकासी, बाढ़ और सीवरेज प्रबंधन की समस्या का स्थायी समाधान हो सकेगा। इस वर्ष फरवरी तक ये प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा। एयरपोर्ट ड्रेन प्रोजेक्ट का उद्देश्य आइजीआइ हवाई अड्डे पर बाढ़ और जल निकासी के मामले को हल करना है। 69 करोड़ रुपये की लागत वाली ये परियोजना फरवरी तक पूरी हो जाएगी।
- बांसेरा पार्क में विकास कार्य अंतिम चरण में है। यहां हाल ही में अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव हुआ था। वासुदेवघाट, जो अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर एलजी द्वारा यमुना आरती और पूजा का गवाह बना और असिता, जिसने जी-20 सम्मेलन के विदेशी राजनयिकों की मेजबानी की थी, के कार्य मार्च तक पूरा होने का लक्ष्य है।
- लाल किले और दरियागंज के पीछे के क्षेत्र के पुनर्विकास का काम जिसमें, दिल्ली चलो पार्क, घटा मस्जिद पार्क, उर्दू अकादमी पार्क और सद्भावना पार्क शामिल हैं, फरवरी में शुरू हो जाएगा और जून तक इसके पूरा होने की उम्मीद है।
- इसी तरह, यमुना बाढ़ के मैदानों पर मिलेनियम पार्क के कायाकल्प और पुनर्विकास पर काम फरवरी में शुरू हो जाएगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
THURSDAY, JANUARY 25, 2024

161 illegal colonies on O zone making river water toxic

Siddhanta.Mishra
@timesgroup.com

New Delhi: One of the major interventions to keep the Yamuna clean was providing sewer connections from all unauthorised colonies. But 161 colonies in the O zone of the floodplain, with 2.3 lakh households, have been recently identified as unattached to a sewer network. This means that sewage from these areas continues to flow untreated into the river, contaminating its water.

Delhi Jal Board officials attributed the drawback in providing these colonies access to the sewer network to problems of getting no objection certificates from the various agencies involved. They are yet to provide approval for construction of sewage-related infrastructure.

In order to ensure that all residents are connected with the sewer network, the Mukhyamantri Muft Sewer Connection Yojna (MMSCY) was taken up in Nov 2019. Under this, efforts are being made by DJB to expand the existing network to cover all the households in the city.

Despite DJB working on the river's cleaning on several fronts, the purification of the Yamuna remains a challenge. For ensuring 100% treatment of sewage, the state government has identified four focus areas, one of them being expanding the household sewer network.

Unauthorised constructions have slowly been finding their way into the river zone in the past two decades. As per Master Plan Delhi, 2021, the O zone comprises the entire floodplain along the 22-km stretch of the Yamuna in the city. No construction is allowed in this area and ownership of property in the zone is not permitted.

In the draft MPD 2041, which is yet to be notified, DDA has bifurcated the zone into Zone O-I and Zone O-II. While no construction will be permitted in Zone O-I, or the 'river zone', 'regulated development' will be allowed in Zone O-II.

After the approval of the 2041 MPD, officials hope work on cleaning the river will progress since it will take around a year to lay the sewerage after the various agencies grant the approvals for the project.

According to DJB, existing sewage treatment plants are unable to do their task in some places. Many slums have narrow lanes making it very challenging to install sewer connections. To resolve this problem, DJB has been working on decentralised STPs. These are mostly planned for unauthorised colonies where there are constraints on land and other factors. There are an estimated 318 unauthorised colonies where DJB has assessed this requirement. Work is under way in some. In the rest, DJB is awaiting clearance from various agencies.

Hindustan Times

Capital to add infra worth ₹4,500 crore by April '24

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

LG reviews DDA projects

Projects worth ₹4,500 crore are to be completed over three months, some of which will be opened between February and April

NEW DELHI: Eleven ongoing projects of the Delhi Development Authority (DDA) in the city worth more than ₹4,500 crore will likely be completed over the next three months, the lieutenant governor's (LG) office said on Wednesday.

These include several slum rehabilitation projects, new sporting infrastructure in Dwarka and Rohini, landscaping work along the ghats of the Yamuna, a section of Bharat Vandana Park (Dwarka), critical drainage infrastructures for the Delhi airport, and beautification of spaces around Shanti Van and Vijay Ghat.

LG VK Saxena, who is also the chairperson of DDA, reviewed these projects on Tuesday.

In a statement, the LG office said these projects have the potential to alter the cityscape, and skyline as well as push towards an inclusive in situ rehabilitation of slum dwellers in the Capital.

The secretariat also said that the LG has ordered a revocation of the contract for the development of Vaishnavi nursery-cum-garden recreational space in Ashok Vihar in North Delhi due to delays in this project.

"LG has expressed grave exception to the delay being caused in the development of the space. Vaishnavi has been hanging in balance for more than one year with much work pending due to the non-performance of the contractor. LG ordered for the contract to be revoked, and bank guarantee of the contractor to be seized, the firm be blacklisted and asked officers to float a fresh tender," an official said.

SOME OF THE PROJECTS	COST (IN CRORE)	LIKELY TO OPEN
Karkardooma ToD project	₹1,168.54	February
Dwarka drainage projects	₹304.15	February
Airport drainage project	₹69	February
Dilli Gramodaya Abhiyan, Qutabgarh	NA*	February
Jailorwala Bagh	₹421.81	March
Bharat Vandana Park 1st phase	₹512.47	March
Kathputli Colony	NA*	March
Landscaping work	NA*	March
Sporting infra at Dwarka, Rohini	₹377.08	March-April
Walled City parks upgrade	NA*	June

*Cost not available as work being done in phases

The projects that will likely be completed over the next three months include the Jailorwala Bagh and Kathputli Colony in-situ rehabilitation.

"The Jailorwala Bagh project will house around 1,675 families living in neighbourhood slums. It is complete and flats worth ₹421 crore will be handed over to the beneficiaries by the first week of March. Kathputli Colony project will house 2,800 families, in about 1,400 flats, ready for occupation by March," the official added.

Similarly, the EWS housing component of the Karkardooma transit-oriented development project comprising 498 flats on 23 floors — with a basement parking complex — will be ready by February.

The LG office said the ₹1,168-crore project "has the potential to change the skyline of East Delhi and bring socio-economic changes".

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
THURSDAY, JANUARY 25, 2024

₹4.5k Cr DDA Projects At Finishing Line

Saxena Takes Stock Of Progress, Fixes Timelines Between Feb And April

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Several infrastructure and beautification projects worth over Rs 4,500 crore, being executed by Delhi Development Authority (DDA), are likely to be completed and opened for the public between Feb and April this year.

Lieutenant governor VK Saxena late on Tuesday reviewed the progress of these projects and fixed the timelines in accordance with the progress that has taken place so far. Raj Niwas officials said the projects had the potential of altering the cityscape and the skyline and giving impetus to providing permanent houses to slumdwellers.

The projects included in situ rehabilitation of slumdwellers at Jailorwala Bagh and Kathputli Colony, transit-oriented development in east Delhi's Karkardooma, first phase of the grand Bharat Vandana Park in Dwarka, sporting infrastructure in various parts of the city, redevelopment of Qutabgarh village, airport drain and two others in Dwarka to solve flooding and sewerage management, landscaping at Baansera and Vasudev Ghat, and redevelopment of four parks behind Red Fort and the Walled City.

A Raj Niwas official said Saxena has been monitoring all the ongoing projects on a weekly basis and visiting the sites to assess actual progress on ground, since he took over in May 2022.

"He also steered many new projects including the rejuvenation of the Yamuna floodplains by giving shape to

LG VK Saxena

Baansera, Asita, Vasudev Ghat and Vatiika, and restoration of the historical Mehrauli Archaeological Park. He has recently taken up the restoration of the Shalimar Bagh-Sheesh Mahal Complex while the historic St. James Church was restored and dedicated to the people in the last few months," said an official.

The Tuesday meeting lasted for over three hours and was attended by all senior officers of DDA. Officials said Saxena went into details of the civil and electrical works, procurements, and mandatory clearances required for the projects.

A Raj Niwas official said Saxena "expressed satisfaction" over the status of installation of various artefacts such as a huge Nandi statue at Yashobhoomi in Dwarka, life-size elephant and lion figurines, and fountains in Dwarka and Baansera.

"He expressed grave exception to the delay being caused in the development of Vaishnavi, the nursery-cum-garden-cum-recreational space in Ashok Vihar in north Delhi," the official added.

Vaishnavi, which was conceived on the very next

Projects had the potential of altering the cityscape and the skyline and giving impetus to providing permanent houses to slumdwellers

day of Saxena taking over as LG, has been hanging in balance for more than a year with most work pending due to non-performance of the contractor.

"The LG has asked for the contract to be revoked and forfeiting of the earnest money and bank guarantee deposited by the contractor. He has also directed the officials to blacklist the firm and float a fresh tender for the project," said an official.

दैनिक जागरण III
नई दिल्ली, 25 जनवरी, 2024

एलजी के एट होम में जुटे विभिन्न वर्गों के लोग

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली: उपराज्यपाल वीके सक्सेना और उनकी पत्नी संगीता सक्सेना ने बुधवार को 75वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राजनिवास में पारंपरिक एट होम की मेजबानी की। इस वर्ष एट होम में विविध और विभिन्न वर्गों के अतिथि शामिल थे। जिनमें स्वतंत्रता सेनानी, दिल्ली के पद्म पुरस्कार विजेता, सरकारी और निजी स्कूलों-कालेजों के छात्र, दिल्ली पुलिस और दिल्ली अग्निशमन सेवा के शहीदों के परिवार, खिलाड़ी, पैरालिंपियन, दिव्यांगजन, डाक्टर, कलाकार, विभिन्न धर्मों और संप्रदायों के धार्मिक गुरु शामिल रहे।

इस मौके पर चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, थल सेना प्रमुख, जनरल मनोज पांडे, दिल्ली सरकार में मंत्री कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन, सौरभ भारद्वाज, आतिशी, सांसद और विधायक, महापौर और उप महापौर, भारत में विदेशी मिशनों के प्रतिनिधि, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, कुलपति, शिक्षाविद, वकील, सिविल सोसायटी, मीडिया, केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस, सशस्त्र बल, डीडीए, एमसीडी और एनडीएमसी के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया।

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राज निवास पर आयोजित एट होम कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानी से मिलते उपराज्यपाल वीके सक्सेना • सौजन्य : राज निवास

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । गुरुवार, 25 जनवरी 2024

अप्रैल तक पूरे होंगे कई बड़े प्रोजेक्ट

■ विस, नई दिल्ली: इस साल फरवरी से अप्रैल के बीच डीडीए के 4500 करोड़ से अधिक के कई अहम प्रोजेक्ट पूरे होंगे। यह प्रोजेक्ट इंफ्रास्ट्रक्चर और अपग्रेडेशन से जुटे हैं। इनकी प्रोग्रेस को लेकर एलजी वीके सक्सेना ने बुधवार को रिव्यू मीटिंग की। इन प्रोजेक्ट में इन सीटू रिहेबिटेशन से जुड़े प्रोजेक्ट भी शामिल हैं।

LG ने इन प्रोजेक्ट्स को लेकर की रिव्यू मीटिंग

एलजी ने डीडीए के अधिकारियों को निर्देश दिया कि इन प्रोजेक्ट के सिविल और इलेक्ट्रिक वर्क, जरूरी क्लीयरेंस की तैयारियां पूरी रखें, ताकि इन्हें समय पर शुरू किया जा सके। बुधवार को तीन घंटे चली मीटिंग में एलजी ने कुछ प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस पर संतुष्टी जाहिर की। इनमें यशोभूमि में लगाई गई नंदी की प्रतिमा, हाथी और शेर की मूर्तियां, द्वारका और बांसेरा में लगाए फाउंटेन आदि शामिल है। अशोक विहार में बन रही वैष्णवी-नर्सरी कम गार्डन कम रिक्रिएशनल स्पेस पर उन्होंने असंतोष भी जाहिर किया।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF हिन्दुस्तान नई दिल्ली, गुरुवार, 25 जनवरी, 2024 ATED----------

डीडीए की महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लेकर समीक्षा बैठक

तीन माह में कई प्रोजेक्ट तैयार होंगे : उपराज्यपाल

लक्ष्य

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। डीडीए की तैयार की जा रही महत्वपूर्ण परियोजनाओं की मंगलवार को उपराज्यपाल ने समीक्षा की। बैठक में उपराज्यपाल को बताया गया कि 4500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं आगामी तीन महीनों में पूरी कर ली जाएंगी।

परियोजनाओं से शहर के विकास में सकारात्मक बदलाव आएगा। इन परियोजनाओं से राजधानी में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के पुनर्वास को भी गति मिलेगी।

दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने डीडीए के सभी संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों के साथ परियोजनाओं के लिए आवश्यक सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्यों, खरीद और अनिवार्य मंजूरी का विवरण जाना। उन्होंने अब तक हुए कार्यों के अनुसार परियोजना की समयसीमा निर्धारित की। लगभग 3 घंटे तक चली बैठक के दौरान सक्सेना ने विभिन्न कलाकृतियों (द्वारका-यशोभूमि में एक विशाल नंदी प्रतिमा, आदमकद हाथी, शेर की मूर्तियां और बांसेरा में फव्वारे शामिल हैं) को स्थापित करने की स्थिति पर संतोष जताया।

उपराज्यपाल ने उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार में वैष्णवी-नर्सरी-सह-उद्यान-सह-मनोरंजन काम्प्लेक्स के विकास में हो रही देरी के कारणों पर भी चिंता जताई। ठेकेदार के खराब प्रदर्शन के कारण पिछले एक वर्ष से अधिक समय से वहां का काफी काम लंबित है। इसके मद्देनजर उपराज्यपाल ने उसका अनुबंध रद्द करने, ठेकेदार की ईएमडी और बैंक गारंटी जब्त करने और फर्म को ब्लैकलिस्ट करने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को नए सिरे से निविदा जारी करने को कहा।

वीके सक्सेना।

इन योजनाओं पर चल रहा काम

- जेलरवाला बाग जहां झुग्गी, वहीं मकान (इन सीटू पुनर्वास) परियोजना (इसमें आसपास की झुग्गियों में रहने वाले 1675 परिवारों को घर दिया जाएगा) का काम पूरा हो गया है। मार्च में लाभार्थियों को सौंपा जाएगा
- कठपुतली कॉलोनी जहां झुग्गी, वहीं मकान (इन सीटू पुनर्वास) परियोजना के तहत मार्च तक 1400 फ्लैट कब्जे के लिए तैयार हो जाएंगे
- महत्वाकांक्षी कड़कड़डूमा टीओडी परियोजना जिसमें न केवल पूर्वी दिल्ली के परिदृश्य को बदलने की क्षमता है, बल्कि क्षेत्र में अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने की भी क्षमता है। इसमें बेसमेंट पार्किंग कॉम्प्लेक्स के साथ ग्राउंड 22 मंजिलों में 498 ईडब्ल्यूएस फ्लैट, इस वर्ष फरवरी तक तैयार हो जाएंगे
- सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की प्रतिष्ठित प्रतिकृतियों के साथ लघु भारत की परिकल्पना पर आधारित द्वारका के भव्य भारत वंदना पार्क का पहला चरण मार्च, 2024 तक पूरा हो जाएगा। 200 एकड़ में फैला यह पार्क, इस साल जून तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगा

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPER: THE HINDU Thursday, January 25, 2024 DELHI -DATED----------

Slum dwellers likely to get over 3,000 flats by March; L-G reviews housing projects

Satvika Mahajan
NEW DELHI

More than 3,000 flats are likely to be allotted to slum dwellers over the next two months as part of a rehabilitation programme taken up in public-private partnership by the Delhi Development Authority (DDA) under the Centre's affordable housing scheme, according to a statement issued on Wednesday.

The statement came a day after Lieutenant-Governor V.K. Saxena reviewed the progress on the development works being implemented by the DDA at a cost of ₹4,500 crore.

These included three projects for the rehabilitation of slum dwellers in Jailorwala Bagh, Kathputli Colony, and Karkardooma, read the statement by the housing authority.

The projects were initiated under the Centre's flagship scheme, Pradhan Mantri Awas Yojana

flagship scheme, Pradhan Mantri Awas Yojana-Urban (PMAY-U), under which affordable houses are provided to lower and middle-income groups.

A total of 1,675 families will be allotted flats in Jailorwala Bagh by the first week of March. The project has been completed at a cost of ₹421 crore.

Similarly, around 1,400 flats will be made available to slum dwellers in Kathputli Colony by March.

The flats constructed under the Karkardooma Transit-Oriented Development Project will be ready by next month.

The statement said 498 flats will be allotted to the beneficiaries. The cost of the entire project is ₹1,168 crore.

During the review meeting, Mr. Saxena also expressed satisfaction over the status of the installation of various artefacts, including a grand Nandi statue at Yashobhoomi in Dwarka.

Action against firm

However, he expressed concern over the delay in the development of 'Vaishnavi' – a nursery-cum-garden-cum-recreational space – at Ashok Vihar in north Delhi.

The fate of 'Vaishnavi' has been hanging in the balance for over a year due to the non-performance of the contractor, the statement said.

The L-G had directed that the contract be revoked and the firm be blacklisted. He asked officials to float a fresh tender.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

the pioneer
| | THURSDAY | JANUARY 25, 2024

LG reviews progress of important DDA projects in city

STAFF REPORTER ■ NEW DELHI

Delhi Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena has reviewed the progress of important projects being undertaken by the Delhi Development Authority (DDA) in the city. "The projects worth over Rs 4,500 crore are slated to be completed between February-April this year and have the potential of positively altering the cityscape, the city's skyline as well as giving impetus to inclusive in situ rehabilitation of slum dwellers in the national capital, the LG office said on Wednesday.

During the meeting convened by him on Tuesday, the LG along with all concerned senior officers of DDA went into details of the civil and electrical works, procurements and mandatory clearances required for the projects and fixed the timelines in accordance with the developments that have taken place so far.

Saxena expressed satisfaction over the status of installation of various artefacts that include a huge Nandi Statue at Yashobhoomi in Dwarka, life-size Elephant and Lion figurines and fountains in Dwarka and Baansera.

He expressed grave exception to the delay being caused in the development of Vaishnavi-the Nursery-cum-Garden-cum-Recreational Space in Ashok Vihar in North Delhi.

"Vaishnavi, which was conceived on the very second day of Saxena taking over as LG in a visit to the location, has been hanging in balance for the past more than one year with much work pending due to the

non-performance of the contractor," the LG office said.

The LG ordered for the contract to be revoked, EMD and bank guarantee of the contractor to be seized and the firm be blacklisted and asked officers to float a fresh tender.

It may be mentioned that Saxena has ever since taking over been monitoring all ongoing projects on a weekly basis and visiting the sites to assess actual progress on ground.

The projects being implemented by the DDA included Jailorwala Bagh in situ rehabilitation project that will house 1,675 families living in neighbourhood slums is complete and will be handed over to the beneficiaries by the first week of March.

Among others, the ambitious Karkardooma ToD project has the potential of not only changing the skyline of east Delhi, but also bringing about unprecedented socio-economic changes in the area. The cost of the entire project is Rs 1,168.54 crore.

Among others, the ambitious KarkardoomaToD Project has the potential of not only changing the skyline of East Delhi. The project will have its EWS housing component, comprising 498 flats in a G+22 floors with basement parking complex will be ready by February, 2024. The cost of the entire project is Rs 1168.54 cr. The first phase of the grand Bharat Vandana Park in Dwarka with iconic replicas of all States and UTs, representing a Mini India will be completed by March, 2024. The 200 acre park, in all respects will be ready by June this year. The cost of the project is Rs 512.47 cr.

Sporting infrastructure that includes Golf Course in DwarkaSector-24,and several "Centres of Excellence" at Dwarka Sector-8, 19, 23 and Rohini Sector-33, pertaining to specific aquatic and field sports will be ready between March and April, 2024. The total amount being spent on creating this Sport Infrastructure is to the tune of Rs 377.08 cr.

Works under the recently launched "DilliGramodayaAbhiyan" in all villages of the city, will receive a major fillip with the first pilot project in Qutabgarh Village getting completed by February.

millenniumpost
NEW DELHI | THURSDAY, 25 JANUARY, 2024

WORTH MORE THAN Rs 45,000 CRORE

Delhi L-G Saxena reviews progress of DDA projects

OUR CORRESOPONDENT

NEW DELHI: Progress of DDA projects worth more than Rs 45,000 crore that are likely to get completed between February and April was reviewed by Delhi Lieutenant Governor V K Saxena, an official statement said on Wednesday.

In a statement, the Delhi Development Authority (DDA) said the ongoing projects have the potential of positively altering the cityscape as well as giving impetus to the in situ rehabilitation of slum dwellers. Saxena reviewed the progress of the projects on Tuesday.

"These projects, amounting to more than Rs 45,00 crore, are slated to be completed between February-April," the statement said. "They have the potential of positively altering the cityscape, the city's skyline as well as giving impetus to inclusive in situ rehabilitation of slum dwellers in the capital," it added. The L-G, along with the concerned senior officers of DDA, reviewed in detail the civil and electrical work, procurement and mandatory clearances required for the projects and also fixed timelines, it said. According to the statement, Saxena has steered several new projects that include the rejuvenation of the Yamuna floodplains and the restoration of the historical Mehrauli Archaeological Park.

"He had recently taken up the restoration of the Shalimar Bagh-Sheesh Mahal complex. The historic St. James Church and the Mehrauli Archaeological Park were restored and dedicated to the people during the last few months," the statement said. During the meeting, Saxena expressed satisfaction over the status of the installation of various artefacts including a huge Nandi Statue at Yashobhoomi in Dwarka, and life-size elephant and lion figurines and fountains in Dwarka and Baansera.

However, he expressed grave exception to the delay being caused in the development of 'Vaishnavi' — a nursery-cum-garden-cum-recreational space in Ashok Vihar in north Delhi, it said.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS

नई दिल्ली। बृहस्पतिवार • 25 जनवरी • 2024

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

एलजी के 'एट होम' में गण्यमान्य लोगों ने की शिरकत

नई दिल्ली (एसएनबी)। गणतंत्र दिवस से पहले बुधवार को राजनिवास में परंपरागत समारोह 'एट होम' आयोजित किया गया। राष्ट्रगान के साथ समारोह की शुरुआत हुई। इस मौके पर दिल्ली सरकार के मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, पदम विभूषण से सम्मानित, छात्रों, सेना के अधिकारियों, विदेशी मेहमानों, समाज के विभिन्न वर्गों के गण्यमान्यों, दिव्यांगजनों, कलाकारों, डॉक्टरों, सरकार एवं दिल्ली पुलिस के अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

राजनिवास के अधिकारी ने बताया कि समारोह में चीफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ जनरल मनोज पांडे, दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन, सौरभ भारद्वाज, आतिशी, सांसद, विधायक, दिल्ली नगर निगम की मेयर, डिप्टी मेयर, राजनीतिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, वाइस चांसलर, डीडीए, दिल्ली नगर निगम एवं एनडीएमसी के अधिकारियों ने भी शिरकत की।

डीडीए की 4500 करोड़ की परियोजनाएं अप्रैल तक होंगी पूरी : उपराज्यपाल

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली।

उप-राज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने बुधवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकारियों के साथ बैठक में मौजूदा परियोजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में बताया गया कि 4500 करोड़ रुपए की योजनाएं इस वर्ष फरवरी से अप्रैल के बीच पूरी हो जाएंगी। इन परियोजनाओं के पूरा होने से राजधानी के महत्वपूर्ण इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी बदलाव आएगा और झुग्गी-बस्तियों के पुनर्वास योजना को रफ्तार मिलेगी। बैठक में एलजी ने सभी विभागों से जुड़ी योजनाओं की समय सीमा निर्धारित कर दी।

राजनिवास ने जारी बयान में बताया है कि उप-राज्यपाल के कार्यभार संभालने के बाद से वह लगातार परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे हैं और जमीनी हकीकत जानने के लिए समय-समय पर दौरा भी कर रहे हैं। प्रमुख रूप से महरौली पुरातत्व पार्क, बांसेरा, असिता, वासुदेवघाट और वाटिका जैसी योजनाएं यमुना बाढ़ के मैदान का कायाकल्प करेंगी। अभी हाल ही में एलजी ने शालीमार बाग-शीश महल परिसर का निरीक्षण का काम शुरू करने को कहा है। बैठक में द्वारका यशोभूमि में एक विशाल नंदी प्रतिमा, आदमकद हाथी और शेर की मूर्तियों के अलावा द्वारका एवं बांसेरा में फव्वारे लगाने की योजना पूरी होने पर संतोष व्यक्त किया। उप-राज्यपाल ने देरी से चल रहीं योजनाओं को लेकर नाराजगी जताते हुए कारण बताने को कहा।

■ दिल्ली ग्रामोदय योजना का पहला चरण अगले महीने तक पूरा होगा : एलजी

■ डीडीए के अधिकारियों के साथ योजनाओं पर हुई समीक्षा बैठक

उप-राज्यपाल ने बैठक में जेलर वाला बाग झुग्गी बस्ती पुनर्वास योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इसमें 1675 परिवारों को घर मिलेगा। 121 करोड़ रुपए से अधिक की इस योजना का कार्य पूरा हो गया है और मार्च के पहले सप्ताह में आवंटन का काम शुरू हो जाएगा। कठपुतली कालोनी (झुग्गी-बस्ती) में 2800 परिवारों को घर मिलेंगे।

उन्होंने बताया कि कड़कड़डूमा टीओडी परियोजना का कार्य चल रहा है। बेसमेंट, पार्किंग कॉम्पलेक्स के साथ भूतल समेत 498 ईडब्ल्यूएस फ्लैट फरवरी तक बनकर तैयार हो जाएंगे। इस प्रोजेक्ट कर 1168.54 करोड़ की लागत आयी है।

डीडीए की महत्वाकांक्षी योजना भारत वंदना पार्क का पहला चरण मार्च में पूरा हो जाएगा। इसके अलावा द्वारका सेक्टर-24 स्थित गोल्फ कोर्स, रोहिणी के विभिन्न सेक्टरों में खेल सुविधाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। दिल्ली ग्रामोदय योजना के तहत कुतुबगढ़ गांव का पहला प्रोजेक्ट अगले महीने फरवरी में पूरा हो जाएगा। अधिकारी ने बताया कि लालकिला और दरियागंज के पीछे के क्षेत्र के पुनर्विकास का काम दिल्ली चलो पार्क, घटा मस्जिद पार्क, उर्दू अकादमी पार्क व सद्भावना पार्क का कार्य अगले महीने पूरा हो जाएगा। यमुना किनारे स्थित मिलेनियम पार्क का कायाकल्प और पुनर्विकास का कार्य फरवरी में पूरा होने की उम्मीद है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---- पंजाब केसरी DELHI ---- 25 जनवरी, 2024 ▸ गुरुवार

4500 करोड़ की लागत से बन रहे डीडीए की महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स होंगे अप्रैल तक पूरे

एलजी विनय सक्सेना ने अधिकारियों संग बैठक करके जाना परियोजनाओं का स्टेटस

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली के कायाकल्प व इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा शुरू की गई कई परियोजनाएं फरवरी से अप्रैल के बीच पूरी होंगी। 4500 करोड़ की लागत से बन रही ये परियोजनाओं में शहर के परिदृश्य को सकारात्मक रूप से बदलने की क्षमता है। साथ ही इन परियोजनाओं से राजधानी में झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के पुनर्वास को भी गति मिलेगी। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीडीए के सभी संबंधित अधिकारियों से परियोजनाओं के लिए आवश्यक सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्यों, खरीद और अनिवार्य मंजूरी का विवरण जाना और अब तक हुए कार्यों के अनुसार परियोजना की समयसीमा निर्धारित की। गौरतलब है कि कार्यभार संभालने के बाद से ही सक्सेना

साप्ताहिक आधार पर सभी परियोजनाओं की निगरानी कर रहे हैं और इनकी वास्तविक प्रगति का आंकलन करने के लिए दौरा भी करते रहे हैं। उन्होंने कई नई परियोजनाओं का भी संचालन किया है जिसमें ऐतिहासिक महरौली पुरातत्व पार्क की बहाली के अलावा बांसेरा, असिता, वासुदेवघाट और वाटिका जैसी परियोजनाओं के रूप में यमुना बाढ़ के मैदानों का कायाकल्प करना शामिल है। पिछले कुछ महीनों के दौरान ऐतिहासिक सेंट जेम्स चर्च और महरौली पुरातत्व पार्क का जीर्णोद्धार कर उसे जनता को समर्पित किया गया। उन्होंने उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार में वैष्णवी-नर्सरी-सह-उद्यान-सह-मनोरंजन काम्प्लेक्स के विकास में हो रही देरी के कारणों पर चिंता भी व्यक्त की।

ऐसी कई परियोजनाओं पर हो रहा काम

- जेलरवाला बाग जहां झुग्गी, वहीं मकान (इन सीटू पुनर्वास) परियोजना, जिसमें आसपास की झुग्गियों में रहने वाले 1675 परिवारों को घर दिया जाएगा।
- कठपुतली कॉलोनी जहां झुग्गी, वहीं मकान (इन सीटू पुनर्वास) परियोजना के तहत झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले 2800 परिवारों को घर मिलेगा।
- कड़कड़डूमा टीओडी परियोजना में अभूतपूर्व सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाने की भी क्षमता है।

दिल्लीवाले अब यमुना की कर सकेंगे आरती

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): अब दिल्लीवालों को भी हरिद्वार और वाराणसी जैसी गंगा आरती के दर्शन होने वाले हैं। यह नजारा इतना अद्भुत होता है कि ज्यादातर लोग इसमें खो जाते हैं। अब आपको ऐसे भावविभोर करने वाले क्षणों का आनंद लेने के लिए दिल्ली से बाहर जाने की जरूरत नहीं है क्योंकि जल्द आईएसबीटी के पास आपको पंडित ऐसी ही आरती करते नजर आएंगे। अब केवल दो महीने से भी कम समय में दिल्ली में श्रद्धालुओं के लिए रोजाना यमुना की पूजा करने के लिए एक जगह होगी।

कश्मीरी गेट आईएसबीटी के सामने यमुना किनारे पश्चिमी तट पर एक घाट विकसित किया जा रहा, जिसका नाम वासुदेव घाट है। इसका निर्माण कार्य जल्द ही पूरा हो जाएगा। जिसके

बाद गंगा आरती की तर्ज पर घाट पर रोजाना यमुना आरती की जाएगी। इस योजना का काम दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) कर रहा है। योजना के तहत एक घाट, एक पैदल मार्ग, एक स्नान स्थल और चारबाग शैली में बारादरी (मंडप जैसी संरचनाएं) और छतरियां (छतरियां) के साथ लैंडस्केप बनाए जाएंगे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सोमवार शाम वासुदेव घाट पर आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अयोध्या में रामलला के नवनिर्मित मंदिर की प्रतिकृति की पूजा-अर्चना की। राजनिवास के अधिकारियों ने कहा कि बारादरी और छतरी जैसी कई संरचनाएं और गुलाबी बलुआ पत्थरों से बने दो हाथी पहले ही इंस्टॉल (स्थापित) किए जा चुके हैं और साथ ही 300 किलोग्राम वजनी एक बड़ी घंटी भी लगाई गई है।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक भास्कर, नई दिल्ली, गुरुवार, 25 जनवरी, 2024

दिल्ली विकास प्राधिकरण विकसित कर रहा घाट

गंगा आरती की तर्ज पर दिल्ली में प्रतिदिन होगी यमुना आरती

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

हरिद्वार और वाराणसी में गंगा आरती की तर्ज पर अब दिल्ली में प्रतिदिन यमुना किनारे वासुदेव घाट पर आरती का आयोजन किया जाएगा। इस घाट को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा विकसित किया जा रहा है। दो दिन पहले ही दिल्ली के उपराज्यपाल ने मौके पर जाकर इसका निरीक्षण किया। अधिकारियों का कहना है कि इसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा और यह दो महीने के भीतर आरती के लिए तैयार हो जाएगा। इसमें एक घाट, एक पैदल मार्ग, एक स्नान स्थल और मंडप जैसी संरचनाएं और छतरियां शामिल हैं। घाट का विकास नदी के दोनों ओर यमुना बाढ़ क्षेत्र की बहाली का एक हिस्सा है। अधिकारी ने कहा जिस तरह से नदी के किनारे यमुना वाटिका, बांसेरा और असिता को विकसित किया गया है, वासुदेव घाट भी उसी तरह से बनाया जा रहा है। उत्तर में सेतु से दक्षिण में निगमबोध घाट तक विकसित किया जा रहा है। नए घाट में नदी की ओर नीचे जाने के लिए सीढ़ियां होंगी जहां लोग बैठ कर नदी को देख सकेंगे।

रविवार को बड़ी और बड़े त्योहारों पर महाआरती होगी

अधिकारियों ने बताया यह आरती रोजाना होगी। रविवार और बड़े त्योहारों पर यहां महाआरती होगी। आरती बिलकुल वैसे ही होगी जैसी हरिद्वार और बनारस के घाटों पर होती है। इसका मकसद दिल्ली के लोगों को यमुना के तट पर लाया जाए। लोग यमुना को आकर देखेंगे और यमुना के दर्द को समझेंगे।

amarujala.com
बृहस्पतिवार, 25 जनवरी 2024

मार्च तक पांच हजार गरीबों को मिलेंगे घर

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले मार्च तक गरीबों को उनका घर मिल जाएगा। जहां झुग्गी वहीं मकान योजना के तहत केंद्र सरकार फ्लैटों पर कब्जा देगी। बुधवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। फरवरी से अप्रैल के बीच 4500 करोड़ रुपये से अधिक की योजनाएं पूरी हो जाएंगी। उपराज्यपाल ने डीडीए के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक सिविल व इलेक्ट्रिकल कार्यों, खरीद और अनिवार्य मंजूरी का विवरण जाना व अब तक हुए कार्यों के अनुसार परियोजना की समयसीमा निर्धारित की।

उपराज्यपाल ने उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार में वैष्णवी-नर्सरी-सह-उद्यान-सह-मनोरंजन कांप्लेक्स के विकास में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की। ठेकेदार के खराब प्रदर्शन के कारण एक वर्ष से अधिक समय से काफी काम लंबित है। उपराज्यपाल ने अनुबंध रद्द करने, ठेकेदार की ईएमडी और बैंक गारंटी जब्त करने, फर्म को ब्लैकलिस्ट करने का आदेश दिया और अधिकारियों को नए सिरे से निविदा जारी करने को कहा। तीन घंटे तक चली बैठक में उपराज्यपाल ने द्वारका स्थित यशो भूमि में विशाल नंदी, आदमकद हाथी और शेर की प्रतिमाओं के साथ ही द्वारका और बांसेरा में फव्वारे की स्थिति पर संतोष जताया।

भारत वंदना पार्क भी मार्च तक तैयार होगा : लघु भारत की परिकल्पना पर आधारित भारत वंदना पार्क का पहला चरण मार्च तक पूरा हो जाएगा। 200 एकड़ में फैला द्वारका स्थित यह पार्क जून तक पूरी तरह से तैयार हो जाएगा। इस परियोजना की लागत 512.47 करोड़ रुपये है। साथ ही, द्वारका सेक्टर-24 में गोल्फ कोर्स और द्वारका सेक्टर-8, 19, 23 व रोहिणी सेक्टर-33 में बन रहे स्पोर्ट्स कांप्लेक्स भी तैयार हो जाएंगे। इसके निर्माण पर 377.08 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। दिल्ली ग्रामोदय अभियान के तहत कुतुबगढ़ गांव का पहला पायलट प्रोजेक्ट का काम भी फरवरी में पूरा हो जाएगा। द्वारका में जल निकासी, बाढ़ व सीवरेज प्रबंधन की समस्या के समाधान वाले प्रोजेक्ट को भी पूरा किया जाएगा।

जहां झुग्गी, वहीं मकान योजना

समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार जेलर वाला बाग में जहां झुग्गी, वहीं मकान योजना के तहत आसपास की झुग्गियों में रहने वाले 1675 परिवारों को घर दिए जाएंगे। यहां काम पूरा हो गया है। मार्च के पहले सप्ताह तक लाभार्थियों को इन्हें सौंप दिया जाएगा। इन घरों को 421.81 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इसके अलावा कठपुतली कॉलोनी में भी झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले 2800 परिवारों को घर मिलेंगे। इस परियोजना के तहत 1400 फ्लैट मार्च तक तैयार हो जाएंगे। इसी तरह महत्वाकांक्षी कड़कड़डूमा परियोजना के तहत बेसमेंट पार्किंग कांप्लेक्स के साथ 22 मंजिलों में 498 ईडब्ल्यूएस फ्लैट भी फरवरी तक तैयार हो जाएंगे। पूरे प्रोजेक्ट की लागत 1168.54 करोड़ रुपये है।